Class Notes	
Class: सातवीं	**Topic:** अपूर्व अनुभव लेखिका - तेत्सुको कुरियानागी
Subject: हिंदी वसंत	

हिंदी वसंत की उत्तर पुस्तिका में लिखिए |

शब्दार्थ

सभागार	-	एक बड़ा कमरा
शिविर	-	किसी निश्चित उद्देश्य से इकट्ठा होना
न्योता	-	निमंत्रण
हरएक	-	प्रत्येक
द्विशाखा	-	दो शाखाएँ
आराम देह	-	आराम देने वाली
निजी	-	अपनी
आमंत्रित	-	बुलाया जाना
उत्तेजित	-	जोश में आना
ठिठियाकर	-	खिलखिला कर
धकियाना	-	धक्का देना
नाजुक	-	कोमल
हताशा	-	निराशा
हार्दिक	-	दिल से
उदास	-	निराश
छप्पर	-	झोपड़ी के ऊपर की छत
तिपाई	-	तीन पैरों वाली
तरबतर	-	डूबी , भीगी हुई
आखिर	-	अंत
थामना	-	पकड़ना
जोखिम	-	खतरा
झिझकता हुआ	-	संकोच करता हुआ
गप्पें लड़ाना	-	इधर-उधर की बातें करना
सूमो कुश्ती	-	जापानी पहलवानों की कुश्ती
बेहद	-	बहुत अधिक

अभ्यास-प्रश्न

प्रश्न 1. यासुकी-चान को अपने पेड़ पर चढ़ाने के लिए तोत्तो-चान ने अथक प्रयास क्यों किया ?

उत्तर- तोत्तो-चान और यासुकी-चान दोनों घनिष्ठ मित्र थे | यासुकी-चान पोलियोग्रस्त बालक था, जो तोत्तो-चान से एक साल बड़ा था| जापान के तोमोए में हर बच्चा एक पेड़ को अपनाता था | वह उस पेड़ को अपनी निजी संपत्ति मानता था | यासुकी-चान पोलियोग्रस्त होने के कारण किसी भी पेड़ को अपना नहीं मानता था | पर उसके मन में भी किसी पेड़ को अपनाने की चाहत थी | इसलिए उसकी इसी इच्छा को पूर्ण करने के लिए तोत्तो-चान ने उसे अपने पेड़ पर चढ़ाने का अथक प्रयास किया |

प्रश्न 2. अपनी माँ से झूठ बोलते समय तोत्तो-चान की नज़रें नीचे क्यों थी ?

उत्तर- अपनी माँ से झूठ बोलते समय तोत्तो-चान की नज़रें इसलिए नीचे थीं, क्योंकि उसे पता था कि वह माँ से असली बात छुपा रही है | वह जो कार्य करने जा रही है, वह जोख़िम भरा था | बताने पर माँ जाने नहीं देगी | इसलिए वह झूठ बोलकर जा रही थी | उसका बाल-मन अपराध बोध से ग्रस्त था | उसे डर था कि कहीं उसकी माँ झूठ पकड़ लेगी |

प्रश्न 3. तोत्तो-चान के कार्य से हमें क्या प्रेरणा लेनी चाहिए ?

उत्तर - तोत्तो-चान के अथक परिश्रम पूर्ण कार्य पोलियोग्रस्त यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए बार-बार प्रयास करने जैसे महान कार्य से हमें यह प्रेरणा लेनी चाहिए कि जबतक हम अपने लक्ष्य को प्राप्त न करलें तबतक अपना मनोबल कम नहीं होने देना चाहिए| हमें विपरीत परिस्थितियों की परवाह किए बिना अथक प्रयास करते रहना चाहिए |

प्रश्न 4. यासुकी-चान के लिए यह पहला और अंतिम मौका था और क्यों ?

उत्तर- यासुकी-चान के लिए पेड़ पर चढ़ना पहला और अंतिम मौका था, क्योंकि वह शारीरिक चुनौती का सामना कर रहा था, जिसके कारण कोई भी उसे पेड़ पर चढ़ाने का जोख़िम न उठाता |

मूल्यपरक प्रश्न -

प्रश्न 1. "पेड़ हमारे लिए आवश्यक हैं"| इस कथन पर अपने विचार लिखिए |

उत्तर - पेड़ हमारे जीवन के लिए बहुत आवश्यक हैं | यह हमें फल, फूल आदि के साथ घर बनाने और जलावन की लकड़ियाँ देते हैं | यह वातावरण को शुद्ध रखने में हमारी मदद करते हैं | इनसे दवाइयाँ भी प्राप्त होती हैं | यह धरती को उपजाऊ बनाने और मिट्टी की कटाव को रोकने में सहायता करते हैं | यह वर्षा लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं |

प्रश्न 2 शारीरिक चुनौती से जूझ रहे लोगों को सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए आप क्या-क्या सुझाव देना चाहेंगे ?

उत्तर - प्रस्तुत प्रश्न का उत्तर छात्र स्वयं लिखेंगे |

निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़ें और समझें | (केवल पढ़ने के लिए)

प्रश्न 1.यासुकी-चान को क्या था ?

क. मलेरिया

ख. पोलियो

ग. वायरल

घ. अधरंग

प्रश्न 2. यासुकी-चान किसी भी पेड़ को क्या नहीं मानता था ?

क. भगवान

ख. निजी संपत्ति

ग. विशाल

घ. छायादार

प्रश्न 3.तोत्तो-चान ने यासूकी को किसलिए आमंत्रित किया ?

क. नदी किनारे घूमने के लिए

ख. बगीचे में घूमने के लिए

ग. सागर तट पर सैर के लिए

घ. पेड़ पर चढ़ने के लिए

प्रश्न 4. यासुकी-चान को तोत्तो-चान किस ओर ले गई ?

क. नदी की ओर

ख. पानी की ओर

ग. पेड़ की ओर

घ. तालाब की ओर

प्रश्न 5.तोत्तो-चान छप्पर से क्या घसीट लाई ?

क . बाँस

ख . सीढ़ी

ग. कुर्सी

घ. रस्सी

प्रश्न 6.तोत्तो-चान किसे अपने पेड़ पर चढ़ाना चाहती थी ?

क. यासुकी-चान को

ख. चौकीदार को

ग. माँ को

घ. बहन को

प्रश्न 7.यासुकी-चान को किस पर भरोसा था ?

क. चाँद पर

ख. माँ पर

ग. तोत्तो-चान पर

घ. चौकीदार पर

प्रश्न 8 यासुकी-चान और तोत्तो-चान को धूप से कौन बचा रहा था ?

क. कपड़ा

ख. चादर

ग. आसमान

घ. बादल

प्रश्न 9. 'अपूर्व अनुभव' पाठ मूल रूप से किस भाषा में लिखी गई कहानी है ?

क. उर्दू भाषा

ख. हिंदी भाषा

ग. अंग्रेजी भाषा

घ. जापानी भाषा

प्रश्न 10. अपूर्व अनुभव पाठ की लेखिका कौन है ?

क. हेलेन केलर

ख. तेत्सुको कुरियानागी

ग. महादेवी वर्मा

घ. सुभद्रा कुमारी चौहान

प्रश्न 11.तोत्तो-चान यासुकी-चान की मदद किस प्रकार कर रही थी ?

क. हाथ पकड़ कर ऊपर खींचते हुए

ख. सीढ़ी पर पैर रखवा कर

ग. उत्साह वर्धन करते हुए

घ. पीछे से धक्का लगाते हुए

प्रश्न 12. तोत्तो-चान और यासुकी-चान का मन भर उठा था ?

क. आशा से

ख. उत्साह से

ग. निराशा से

घ. प्रसन्नता से

प्रश्न13 यासुकी-चान ने तोत्तोचान को सबसे पहले किसके बारे में बताया ?

क. रेडियो

ख. टेलीविजन

ग. सिनेमा

घ. टेलीफोन

प्रश्न14 सूमो पहलवानों का आकार कैसा होता है ?

क. टेलीविजन से बड़ा

ख. टेलीविजन से छोटा

ग. टेलीविजन के बराबर

घ. इनमें से कोई नहीं

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर छात्र स्वयं लिखें |

प्रश्न 1 बातें करते समय तोतो-चान अपनी माँ की आँखों में क्यों नहीं झाँक रही थी ?

प्रश्न 2 तोत्तो-चान ने किस उद्देश्य से यासुकी-चान को आमंत्रित किया ?

प्रश्न 3 यासुकी-चान का चेहरा क्यों लटका हुआ था ?

प्रश्न 4 तोत्तो-चान की हार्दिक इच्छा क्या थी ?

प्रश्न 5 तोमोए में पेड़ों से जुड़ी कौन-सी परंपरा है ?

ज्ञातव्य उपर्युक्त लेखन सामग्री घर पर तैयार की गई है |